National Integration Conference

3399. { **Shri A. K. Gopalan:**
Shri Imbichibava:

Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether Government have published the proceedings of the National Integration Conference held in New Delhi in September, 1961;

(b) if not, whether there is any proposal to publish full details of the Conference or some brief points for educating the masses; and

(c) if so, the full details thereof?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) No.

(b) and (c). A copy of the statement issued on behalf of the National Integration Conference, embodying its conclusions and recommendations, was laid on the Table of the Lok Sabha on 20th November, 1961. Extensive publicity is being given to the statement in English and Hindi, and in the respective regional languages.

जयाल स्मारक

३४००. श्री भक्त दर्शन : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ वर्ष पहले हिमाचल पर्वतारोहण संस्था, दार्जिलिंग के प्रिंसिपल मेजर एन० डी० जयाल की आकस्मिक मृत्यु के बाद जयाल स्मारक निधि स्थापित करने और स्मृति-ग्रन्थ तैयार करने का निश्चय किया गया था ; और

(ख) यदि हां तो इस विषय में अब तक क्या प्रगति हुई है ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) जी हां ।

(ख) भारतीय पर्वतारोहण फाऊण्डेशन समेत सभी साधनों से इस समय तक जयाल स्मारक निधि में कुल लगभग २४००० रुपये प्राप्त हो चुका है । इस के अतिरिक्त ४५००० रुपये की लागत का पर्वतारोहण सम्बन्धी साज सामान भी भारतीय पर्वतारोहण फाऊण्डेशन मे इस निधि को प्राप्त हुआ है । इस निधि का उद्देश्य है पर्वतारोहण सम्बन्धी साजसामान इकट्ठा करके भारतीय अभियान दलों को वाजबी दरों पर किराये पर देना । केवल १९६१ में ही, अन्नपूर्णा तृतीय, नीलकण्ठ, नन्दा देवी माना अभियान दलों तथा पुष्प घाटी में बम्बई की पर्वतारोहण समिति के आरोहण शिविर और अन्य कई छोटे आरोहण दलों को इस निधि से बहुत से पर्वतारोहण सम्बन्ध सामान और साजसामान से लैस किया गया था । नवम्बर, १९६१ में मनाली में स्थापित पश्चिमी हिमालयन पर्वतारोहण स्कूल का पहला प्रशिक्षण क्रम आयोजित करने के लिये, पंजाब सरकार को भी पर्वतारोहण साजसामान प्राप्य किया गया था ।

'भारतीय पर्वतारोहण' नाम की हस्तलिखित पुस्तक को अन्तिम रूप दिया जाने वाला है, जिसमें कि भूतपूर्व मेजर जयाल और अन्य विख्यात पर्वतारोहियों की संक्षिप्त जीवनियां और लेख दिये हैं, और आशा है कि प्रकाशन के लिये उसे शीघ्र ही छापाखाना में भेज दिया जायेगा ।

भारतीय एवरेस्ट दल

३४०१. श्री बेरवा : क्या **प्रतिरक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एवरेस्ट पर अभियान के लिये अब तक कितने भारतीय पर्वतारोही दलों को भेजा जा चुका है ;

(ख) इन अभियानों पर कितना धन व्यय हुआ है ; और

(ग) मेजर जान डायस के नेतृत्व मे हाल के अभियान के विफल होने के कारण क्या हैं ?

प्रतिरक्षा मंत्रालय में मंत्री (श्री रघुरामैया) : (क) अभी तक दो भारतीय अभियान एवरेस्ट शिखर पर आरोहण के लिए भेजे गये हैं, पहला १९६० और दूसरा १९६२ में ।

(ख) प्रथम अभियान पर लगभग ६ लाख रुपया व्यय हुआ था, और दूसरे पर भी शायद ६ ही लाख रुपये खर्च आये ।

(ग) अभियान की विफलता का एक मात्र कारण था, मौसम की लगातार खराबी ।

२८६०० फुट की ऊंचाई तक (शिखर से केवल ४२८ फुट कम) पहुंचने के पश्चात्, चोटी पर पहुंचे दल को मौसम, तेज आंधियों, अन्धा कर देने वाले तुफानों ऊंचाई पार शून्य से नीचे तापमान में अधिक समय तक खुले में रहने आदि से संग्राम करना पड़ा । तदापि सिवाय लौटने के उसके लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं रह गया था । अगर वह उलटे पांव लौट नहीं आते, तो चोटी पर पहुंचे दल का आठवें शिविर तक लौटने तक का समय न मिल पाता । परिणामस्वरूप वह सातवें शिविर तक भी उस दिन बहुत विलम्ब से अर्थात् १० बजे रात को पहुंचे, और लगातार तीसरी रात उन्हें २७६०० फुट की ऊंचाई पर व्यतीत करनी पड़ी, जो एक ऐसा अनुभव था, जिसकी कि पर्वतारोहण में मिसाल नहीं मिलती ।

Cycle challans in Delhi

3402. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) the number of cyclists challaned in Delhi and New Delhi for not carrying lights during the last five years; and

(b) what amount has been realised from them on account of imposition of penalty?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) Number of cyclists challaned for not carrying lights during the last five years is as follows:

1957.	3514
1958.	47564
1959.	63358
1960.	24460
1961	13870
1962 (upto 31-5-1962).	3858

(b) Information is not available. The offence-wise break-up of penalties is not maintained.

Strike by Central Government Employees

3403. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Finance** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a number of Government employees **were** detailed for duty in the Central Secretariat during the strike of the Central Government employees in July, 1960;

(b) if so, how many;

(c) whether it is a fact that special bonus/honorarium was paid to that staff; and

(d) if so, the amount so paid?

The Minister of Finance (Shri Morarji Desai): The information is being collected and will be laid on the table of the House as early as possible.

Nursery Schools in Government Colonies

3404. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Education** be pleased to state:

(a) the number of children of the age group of 3 to 5 years in Government colonies like Sarojni Nagar, Netaji Nagar, Laxmi Bai Nagar, Naroji Nagar, Moti Bagh and Kidwai Nagar, New Delhi;

(b) whether there are nursery schools run both by the public and the Municipal authorities in these colonies;

(c) how many seats are available in those schools separately in the private and Government run schools;